इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 4 अक्टूबर 2024
वर्ष 17 अंक 34 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज की आलोचना करनी होगी , उसमे अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

तापमान - अधिकतम 36.0°C (+2.4) न्यूनतम 24.4°C(+2.2) सेंसेक्स 82,497.10 (-1769.19) निफ्टी 25,250.10 (-546.80) सोना 77,710 चांदी 95,000 मुद्रा - डालर 83.99 दिरहम 22.87 रियाल 22.39

रोबोटिक सर्जरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर हुआ व्याख्यान

एरा विश्वविद्यालय

लखनऊ (सं)। एरा यूनिवर्सिटी में रोबोटिक सर्जरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। रॉयल कालेज ऑफ लंदल के डीन प्रोफेसर मोहम्मद शैफी ने रोबोटिक सर्जरी में एआई के प्रयोग पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी, एडीएम जॉ अली खान, एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल के प्रधानाचार्य और सीएमएस प्रो. जमाल मसूद समेत कई अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

चिकित्सकों और छात्रों को सम्बोधित करते हुए प्रो. शैफी ने बताया कि आने वाला दौर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। चिकित्सा के क्षेत्र में एआई के आने से कई बदलाव देखने को मिलेंगे। मरीज के इलाज की तकनीक बदल जाएगी। हालांकि मशीन कभी भी डॉक्टर की जगह नहीं ले सकेगी मगर फिर भी एआई के आने से चिकित्सीय कार्यों में काफी आसानी हो जाएगी। बीमारी की पहचान से लेकर सही दवा के चयन तक में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि जनरल सर्जरी से लेकर रोबोटिक सर्जरी में एक बड़ी क्रांति देखने को मिलेगी। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वह एआई पर विशेष ध्यान दें। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अब्बास अली ने कहा कि एआई का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि एआई से कई काम आसान हो जाएंगे जिससे चिकित्सकों को काफी मदद मिलेगी। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक ब्रिगेडियर सुरोजीत बसु, रजिस्ट्रार प्रोफेसर अनु चंद्रा, प्रो. उस्मान मूसा, प्रो. सलीम ताहिर, प्रो. एस पी जैसवार. प्रो. उमा गुप्ता, प्रो. लक्ष्मी सिंह, डॉ. विपिन कुमार, प्रो. निरूपमा लाल, प्रो. विनीता खरे. प्रो. संजय चौबे, प्रो. शारिक अहमद, प्रोफेसर प्रियंका शुक्ला, प्रोफेसर प्रिसिला सैमसन प्रिंसिपल एरा कॉलेज ऑफनर्सिंग, प्रोफेसर मोहिनी चौरसिया प्रिंसिपल एरा कॉलेज ऑफ फार्मेसी व प्रोफेसर जेबा सिद्दीकी समेत कई चिकित्सक मौजूद थे।